महावीर मन्दिर समाचार

मन्दिर समाचार (अगस्त, 2021)

महावीर वात्सल्य अस्पताल में 'प्री टर्म नवजात गहन चिकित्सा ईकाई' वार्ड का उद्घाटन

महावीर मन्दिर न्यास द्वारा संचालित महावीर वात्सल्य अस्पताल में बिहार समेत पूर्वी भारत के पहले Preterm Neonatal Intensive Care Unit (पूर्वजात गहन चिकित्सा ईकाई) का उद्घाटन दिनांक 16 अगस्त, 2021ई० सोमवार को बिहार के महामहिम राज्यपाल फागू चौहान ने किया। इस अवसर पर महामहिम ने कहा कि समय पूर्व प्रसव से जन्म लेने वाले और कम वजन के बच्चों के लिए यह ईकाई बहुत उपयोगी होगा। इसमें 18 बेड के इस वार्ड में सभी बेड पर वेंटिलेटर की सुविधा है। जिराफ इन्क्यूबेटर लगाए गए हैं। इनमें समय से पूर्व जन्मे बच्चों को मां के गर्भ-जैसी स्थितियाँ और मानक जैसे तापमान, पोषण आदि दिए जाते हैं। आईवीएफ का चलन बढ़ने से समय पूर्व प्रसव के मामले बढ़े हैं। ऐसे बच्चों को सामान्य बच्चों से अलग विशेष देखभाल के लिए यह वार्ड बना है। 1.5 किलोग्राम से कम वजन के समय पर जन्मे बच्चों को भी उचित पोषण और देखभाल के लिए यहाँ रखा जाएगा।

महावीर मन्दिर न्यास के सचिव आचार्य किशोर कुणाल ने कहा कि महावीर मन्दिर द्वारा संचालित अस्पतालों में मानव सेवा के उद्देश्य से कार्य किए जा रहे हैं। महावीर वात्सल्य अस्पताल में बच्चों के लिए पहले से 80 बेड का आईसीयू कार्यरत है। कोरोना की संभावित तीसरी लहर को ध्यान में रखते हुए हाल में 60 बेड का विशेष वार्ड बना है। महावीर वात्सल्य अस्पताल का उद्घाटन 2006 में मुख्यमन्त्र श्री नीतीश कुमार जी ने किया था। नवजात शिशुओं और बच्चों एवं माताओं का गुणवत्तापूर्ण और कम खर्च में इलाज के उद्देश्य से इस अस्पताल को शुरू किया गया। बाद में लोगों की माँग पर 120 बेड का हड्डी, आंख, दंत, चर्म रोग एवं जेनरल मेडिसिन जैसे विभाग खोले गये। हाल में एडवांस लेप्रोस्कोपिक सर्जरी विभाग शुरू किया गया है। इसी परिसर में महावीर हार्ट हॉस्पीटल के रूप में हृदय रोग का सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल भी अच्छे तरीके से चल रहा है। बच्चों के हृदय में जन्मजात छेद के ऑपरेशन यहाँ हो रहे हैं।

महावीर मन्दिर न्यास द्वारा संचालित अस्पताल में ब्रेन की पहली सफल सर्जरी

महावीर मन्दिर न्यास द्वारा संचालित महावीर आरोग्य संस्थान में भर्ती 77 साल के रामजन्म राय की याददाश्त वापस लौट आयी है। न्यूरो सर्जन डॉ कुणाल कुमार की टीम ने मरीज की खोपड़ी खोलकर मस्तिष्क के दाहिने हिस्से में जमा हुए रक्त के थक्के को निकाला। डॉ कुणाल ने बताया कि सिर में चोट लगने के कारण रामजन्म राय के मस्तिष्क के अंदरूनी हिस्से में ब्लड क्लॉटिंग यानी रक्त का थक्का जम गया था। ब्लड क्लॉटिंग के कारण ब्रेन का प्रेशर बढ़ गया था। ब्रेन का प्रेशर कम करने के लिए ऑपरेशन के जरिए रक्त के थक्के को निकाला गया। ब्रेन का प्रेशर बढ़ने से ही मरीज की याददाश्त बहुत कम हो गयी थी। सर्जरी के बाद गुरुवार से उनकी याददाश्त पूरी तरह लौट चली है। दूसरे निजी अस्पतालों से लगभग आधे शुल्क पर सर्जरी की सुविधा महावीर आरोग्य संस्थान में दी जा रही है। अस्पताल में ब्रेन और स्पाईन सर्जरी की सुविधा हाल ही में शुरू की गई है।

महावीर वात्सल्य अस्पताल में 'प्री टर्म नवजात गहन चिकित्सा ईकाई' वार्ड का उद्घाटन

महावीर वात्सल्य अस्पताल में 'प्री टर्म नवजात गहन चिकित्सा ईकाई' वार्ड का उद्घाटन

महावीर वात्सल्य अस्पताल में उद्घाटित 'प्री टर्म नवजात गहन चिकित्सा ईकाई' वार्ड का निरीक्षण करते हुए बिहार के महामहिम राज्यपाल फागू चौहान

महावीर मन्दिर द्वारा अयोध्या में संचालित राम-रसोई में भोजन करते श्रद्धालु